CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 187 □ रायपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का कहर

उदंती नदी पर बन रहा 9 करोड़ का निर्माणाधीन पुल ढहा, छत्तीसगढ़-ओडिशा संपर्क प्रभावित

गरियाबंद, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पिछले 50 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब विकास कार्यों पर भी देखने को मिल रहा है। उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा निर्माणाधीन पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते भरभराकर गिर गया। यह पुल छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहा यह पुल गरियाबंद जिले के अमलीगांव को ओडिशा के चार गांवों से जोड़ने के उद्देश्य से बनाया जा रहा था। लगातार हो रही बारिश के कारण उदंती नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे निर्माणाधीन पुल तेज बहाव का दबाव नहीं झेल सका और अचानक ढह गया।

गौठान में बाढ़ के पानी में फंसा परिवार, नगर सेना ने टॉर्च की रोशनी में किया रेस्क्यू, 300 मवेशी अब भी संकट में

लगातार हो रही बारिश के बीच गरियाबंद से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हर किसी की सांसें रोक दीं। सुहागपुर के गौठान में बाढ़ के पानी से घिरे एक परिवार को नगर सेना की टीम ने चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है क्योंकि उसी गौठान में करीब 300 गायें अब भी बाढ़ के पानी के बीच फंसी हुई हैं। दरअसल, लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जिले के सुहागपुर गांव को संकट में डाल दिया। गौठान में बुधवार दोपहर से एक परिवार बाढ़ के पानी के बीच फंसा हुआ था। शाम करीब पांच बजे इसकी सूचना जिला प्रशासन और नगर सेना की टीम को मिली। हालात इतने खराब थे कि गौठान तक पैदल पहुंचना संभव नहीं था। इसके बाद रेस्क्यू बोट मंगाई गई और देर शाम शुरू हुआ ऑपरेशन रात तक चलता रहा।

नगर सेना के जवानों ने आधे किलोमीटर से ज्यादा दूरी बोट से तय की। कई बार बोट बीच रास्ते में बंद भी हुई, लेकिन दूसरी तरफ खड़े जवान टॉर्च की रोशनी से रास्ता दिखाते रहे। आखिरकार करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रेस्क्यू किए गए परिवार में 5 साल, 3 साल और 2 साल के मासूम बच्चे भी शामिल थे। जैसे ही पूरा परिवार सुरक्षित किनारे पहुंचा, मौके पर मौजूद लोगों ने 'जय बजरंगबली' के जयकारे लगाए। घंटों तक मौत के साये में रहने के बाद परिवार के चेहरों पर राहत और मुस्कान साफ दिखाई दी। यह ऑपरेशन जिले के इतिहास का पहला ऐसा देर रात फ्लड रेस्क्यू ऑपरेशन रहा, जिसे नगर सेना की टीम ने पूरी सफलता के साथ पूरा किया। मौके पर थाना प्रभारी, तहसीलदार और जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी करते रहे।

सालों बाद राजिम कुलेश्वर महादेव मंदिर में चढ़ा पानी

रायपुर, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। प्रदेश में हो रही लगातार बारिश से नदियां उफान पर है. इसकी एक झलक राजिम धाम में देखने को मिल रही है, जहां महानदी का जलस्तर बढ़ने से सालों बाद त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है। गरियाबंद जिले में लगातार 60 घंटे से हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. सिकासेर जलाशय से 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के कारण राजिम के त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है. बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है. नदी के तटीय क्षेत्र और निचली बस्तियों में सतर्क रहने मुनादी कराई जा रही है।

भारी बारिश की वजह से गरियाबंद जिले में पैरी नदी भी उफान पर है, जिसकी वजह से नेशनल हाइवे 130 सी में बीते 24 घंटे से वाहनों की आवाजाही बाधित है. आलम यह है कि भारी बारिश की वजह से हाइवे पर पंटोरा के पास जलभराव की वजह से रायपुर-गरियाबंद मार्ग पर यात्री बसों के पहिये थम गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन बेरिकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही रोक दी है. वहीं बात करें दंतेवाड़ा जिले की लगातार बारिश से भैरमगढ़ के पातरपारा में पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, जिसकी वजह से वाहनों का आवागमन बाधित हुआ है. प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

महादेव घाट पर पुल तक पहुंचा पानी

लगातार बारिश से रायपुर में भी नदी-नाले उफान पर हैं. मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले तीन दिनों तक मौसम इसी प्रकार से रहेगा. लगातार बारिश से खारुन नदी में पानी का बहाव इतना ज्यादा है कि महादेव घाट पर नदी के ऊपर बने पुल तक पानी पहुंच चुका है।

इधर, महानदी का रौद्र रूपः गांव में घुसा पानी एसडीआरएफ ने 6 लोगों का किया रेस्क्यू

आरंग, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। महानदी के ऊपरी कैचमेंट इलाकों में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण आरंग क्षेत्र के तटीय गांव निसदा में बाढ़ का पानी घुस गया है। स्थिति उस समय चिंताजनक हो गई, जब गांव के बीचों-बीच जलभराव बढ़ने से एक ही परिवार के 06 सदस्य अपने ही घर में चारों तरफ से पानी से घिर गए। आनन-फानन में मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने किसी तरह सभी का रेस्क्यू किया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और आरंग एसडीएम अभिलाषा पैकरा, तहसीलदार बाबूलाल कुर्रे और थाना प्रभारी हरीश साहू दल-बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्रशासन द्वारा स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीम को बुलाया गया है।

जानकारी के अनुसार, जलभराव की चपेट में आने वाला परिवार निसदा गांव निवासी सियाराम साहू का है। आज सुबह जब महानदी का जलस्तर बढ़ना शुरू हुआ, तो ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सियाराम साहू और उनके परिवार को समय रहते घर खाली कर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी थी हालांकि, स्थिति की गंभीरता को न भांप पाने के कारण परिवार ने शुरुआत में घर छोड़ने से इनकार कर दिया। कुछ ही घंटों में जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि उनका पूरा मकान चारों तरफ से जलमग्न हो गया और वे बाहर निकलने का रास्ता खो बैठे।

ब्रेकिंग न्यूज

जेपी नड्डा का आरोपः कहा- विपक्ष मुद्दाविहीन, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है

नई दिल्ली, 30 जुलाई (न्यूज चैनल)। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राज्यसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष का ध्यान सदन के कामकाज में बाधा डालने पर रहा है। नड्डा ने कहा कि विपक्ष का रवैया नकारात्मक रहा है। सत्र शुरू होने के बाद से ही उनका पूरा ध्यान सदन को सुचारू रूप से चलने देने के बजाय उसकी कार्यवाही में बाधा डालने और रुकावट पैदा करने पर रहा है। मैंने देखा है कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उनकी आदत है कि वे लगातार अपने मुद्दे बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संसद में चर्चा के लिए हमेशा तैयार रही है और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया।

मामूली विवाद पर डंडों से पीट-पीटकर किसान की हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। बिलासपुर के कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुरदुर में मामूली विवाद ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया, जहां दो युवकों ने एक किसान पर डंडों से बेरहमी से हमला कर उसकी जान ले ली। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत और मातम का माहौल है। जानकारी के मुताबिक ग्राम खुरदुर निवासी 42 वर्षीय किसान सिदेशी बघेल बुधवार शाम गांव में टहल रहे थे, तभी गांव के अंकुश रजक और कलार तराई निवासी निखिल यादव से किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों आरोपियों ने डंडों से सिदेशी बघेल पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से किसान मौके पर ही गिर पड़े और परिजन व ग्रामीण जब तक उन्हें बचाने पहुंचे, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही कोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों से मिली जानकारी और शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी अंकुश रजक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी निखिल यादव वारदात के बाद से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। घटनास्थल से पुलिस ने साक्ष्य जुटाए हैं और गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर हत्या के पीछे की वास्तविक वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं थी।

नक्सलियों के लगाए प्रेशर बम फिर बने जानलेवा चपेट में आने से 2 नाबालिग ग्रामीण घायल

बीजापुर, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। उसूर थाना क्षेत्र के इलाके में नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए प्रेशर आईईडी बम एक बार फिर जानलेवा साबित हुए। दो अलग-अलग घटनाओं में 13 और 15 साल के दो ग्रामीण बम की चपेट में आकर घायल हो गए। दोनों के दाहिने पैर की एड़ी में गंभीर चोट आई है। एक घायल को अस्पताल पहुंचा दिया गया है, वहीं दूसरे को निकालने के लिए भारी बारिश और जलभराव के बीच सुरक्षा बलों का रेस्क्यू अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के थाना चिंतागुफा क्षेत्र के ग्राम करीगुण्डम के 7-8 युवक और बालक नीलम सराई जलप्रपात घूमने आए थे।

जलप्रपात से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले माओवादियों द्वारा पहले से लगाए गए प्रेशर बम पर सोढ़ी देवा उम्र 13 वर्ष पिता हुंगा सोढ़ी का पैर पड़ गया। जोरदार विस्फोट में उसकी दाहिने पैर की एड़ी उड़ गई। घायल बालक को तुरंत उसूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय बीजापुर रेफर कर दिया गया है। उसकी स्थिति अभी स्थिर बताई जा रही है। दूसरी घटना ग्राम नम्बी की है। यहां के दो ग्रामीण मवेशी चराने नम्बी जलधारा की ओर गए थे। जंगल में पहले से दबे प्रेशर आईईड* की चपेट में विनोद कट्टम उम्र 15 वर्ष पिता चन्दरु कट्टम आ गया। विस्फोट में उसके भी दाहिने पैर की एड़ी में गंभीर चोट आई है। घटनास्थल तक पहुंचने वाले रास्ते में नाले में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया है। इसी वजह से आवागमन पूरी तरह प्रभावित है।

सुरक्षा बल जरूरी सावधानियों के साथ रेस्क्यू अभियान चला रहे हैं। कोशिश है कि घायल विनोद को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालकर इलाज के लिए भेजा जा सके।

दुधावा में 88, सोंढुर में 85, मुरुमसिल्ली में 75 व गंगरेल बांध में हुआ 55 प्रतिशत जल भराव

गंगरेल बांध में बढ़ी आवक, 15428 क्यूसेक प्रति सेकेण्ड पानी की हो रही आवक

धमतरी 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। लगातार हो रही बारिश से अंचल में चारो ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। अच्छी वर्षा का असर अब जिले के जलाशयो में भी नजर आ रहा है। जिले के चारो बांधो में जल भराव की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार गंगरेल बांध की जल संग्रहण क्षमता 32.150 टीएमसी है। वर्तमान में बांध में 19.906 टीएमसी जल भराव है। जिसमें उपयोगी पानी 14.835 टीएमसी है। उपयोगी पानी जल भराव 55 प्रतिशत है। बांध में प्रति सेकेण्ड 15428 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। मुरुमसिल्ली बांध में 4.318 टीएमसी जल भराव है। बांध में 12315 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। 75 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। दुधावा बांध में 8.871 टीएमसी जल भराव हो चुका है। पानी की आवक 17450 क्यूसेक है। बांध में 88 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। सोंढुर बांध में 5.385 टीएमसी जल भराव हो चुका है। बांध में 12197 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है और जल भराव 85 प्रतिशत हो चुका है। बता दे कि सोंढुर बांध में लगातार हो रही पानी की आवक को देखते हुए बांध के सभी 5 गेट खोल दिये गये। और 5 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। दुधावा बांध से भी 3 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उक्त पानी गंगरेल बाँध में पहुंच रहा था। आज सुबह 9 बजे की स्थिति में गंगरेल से 150 क्यूसेक पानी एचआर केनाल में छोड़ा जा रहा है। मुरुमसिल्ली बांध से डिस्चार्ज नील था। सोंढुर बांध से 17409 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था।

भूपेश बघेल को बड़ी अंतरिम राहत, सेक्स सीडी कांड मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल पर लगाई रोक

बिलासपुर, 30 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सेक्स सीडी कांड मामले में हाईकोर्ट से बड़ी अंतरिम राहत मिली है। हाईकोर्ट ने इस मामले में सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह अंतरिम आदेश जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की अदालत ने जारी किया है।

भूपेश बघेल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 24 जनवरी 2026 को सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी। विशेष अदालत ने अपने पूर्व के आरोपमुक्ति आदेश को रद्द करते हुए बघेल के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया था। याचिका में भूपेश बघेल की ओर से विशेष अदालत के उस आदेश पर आपत्ति जताई गई थी, जिसमें पहले दिए गए आरोपमुक्ति आदेश को निरस्त कर उनके खिलाफ मामले में आरोप तय करने की दिशा में कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया था। अब हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। इससे फिलहाल बघेल के खिलाफ इस मामले में ट्रायल कोर्ट स्तर पर आगे की प्रक्रिया थम गई है। हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लिए महत्वपूर्ण राहत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, यह अंतरिम राहत है और मामले में अंतिम निर्णय अभी बाकी है। कोर्ट की आगे की सुनवाई में इस याचिका पर विस्तृत विचार किया जाएगा।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, धमेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब विपक्षी गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग कर रहें हैं।

चुहिया- हां जी, विपक्ष को किसी न किसी मंत्री का इस्तीफा तो चाहिए..!